www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 270 | जौनपुर गुरूवार, 21 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की भव्य पासिंग आउट परेड 30 मई को खड़कवासला स्थित ऐतिहासिक खेतरपाल परेड ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी इस समारोह की समीक्षा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, स्प्रिंग टर्म 2026 की इस परेड में सेना, नौसेना और वायुसेना के कुल 355 कैडेट्स प्रशिक्षण पूरा कर पास आउट होंगे। यह समारोह कैडेट्स, उनके अभिभावकों और प्रशिक्षकों के लिए गर्व और भावनाओं से भरा महत्वपूर्ण क्षण होगा। दृ 29 मईरू 150वें कोर्स का दीक्षांत समारोह (कॉन्वोकेशन) हबीबुल्लाह हॉल में होगा। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी किरण बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी और ग्रेजुएट कैडेट्स को संबोधित करेंगी। भव्य पासिंग आउट परेड। परेड के दौरान शानदार मार्च पास्ट, पदक व पुरस्कार वितरण, सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों की फ्लाई–पास्ट तथा पारंपरिक 'अंतिम पग' (थ्पदंस ैजमच) मुख्य आकर्षण होंगे। एनडीए देश की सर्वोच्च त्रि–सेवा प्रशिक्षण अकादमी है, जहां कैडेट्स को सैन्य कौशल, शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता और चरित्र निर्माण का समग्र प्रशिक्षण दिया जाता है। अकादमी का नेतृत्व वर्तमान में वाइस एडमिरल अनिल जग्गी कर रहे हैं। इसी बीच, भारतीय सेना ने मेघालय के उमरोई मिलिट्री स्टेशन में बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति 2026' बुधवार को शुरू कर दिया है।

सहारनपुर में भाजपा के चार विधायकों का कट सकता है टिकट

सहारनपुर, (एजेंसी)। उत्तराखंड से लगे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में सियासी सरगर्मियां बढ़ने लग गई हैं। कुछ रोज पहले कांग्रेस सांसद इमरान मसूद की रहनुमाई में गागलहेड़ी में हुए सदस्यता ग्रहण सम्मेलन के बाद अन्य दलों में भी कुछ– कुछ होने लगा है। सियासी पंडितों का कहना है कि कांग्रेस सहरनपुर में सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। वह भी बिना किसी गठबंधन के। अगर ऐसा होता है तो भाजपा को नफा भी हो सकता है और नुकसान भी। फिलहाल अभी समय और समर दोनों शेष है। हां इतना जरूर है कि बीजेपी के आंतरिक सर्वे में भाजपा के पांच में से चार विधायकों का रिपोर्ट कार्ड खराब पाया गया है। बहुत संभव है कि भाजपा चार सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाए। ऐसे में चुनावी संग्राम दिलचस्प होगा।बताने की जरूरत नहीं कि हाल ही में जिन नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली, उनमें पूर्व विधायक मसूद अख्तर, जेल में सजा काट रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा नेता आजम खान के लंगोटिया यार सरफराज खान (पूर्व राज्य मंत्री), इरशाद चौधरी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, रईस मलिक पूर्व प्रत्याशी बसपा , इमरान मलिक पूर्व ब्लाक प्रमुख बसपा , इसरार पूर्व प्रमुख सपा, मंसूर पार्षद बसपा समेत कुछ और पार्षद हैं।

भारत से पंगा पड़ा बहुत महंगा, ब्लैकलिस्ट की कगार पर पहुंचा नेपाल : पीएम मोदी

वो देश जो कभी भारत की दोस्ती पर गर्व करता था। वो देश जिसने पिछले कुछ समय में अपनी सीमाओं को लेकर भारत को आंखें दिखाने की कोशिश की। आज वही नेपाल एक ऐसे दलदल में फंस चुका है जहां से निकलना उसके लिए लगभग नामुमकिन सा लग रहा है। दरअसल मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग को रोकने वाली दुनिया की सबसे बड़ी संस्था एफएटीएफ ने नेपाल को वह अल्टीमेटम दे दिया है जिससे काठमांडू से लेकर दिल्ली तक खलबली मच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक पुरानी कहावत है। दुश्मन सोच समझकर चुनिए, लेकिन दोस्त कभी मत खोइए। नेपाल ने शायद यही गलती कर दी। एक तरफ नेपाल अपनी आंतरिक राजनीति और चीन के बढ़ते प्रभाव में फंसकर भारत से दूरियां बढ़ाता रहा और दूसरी तरफ उसके घर के भीतर मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग का काला खेल चलता रहा। अब खबर यह है कि एफएटीएफ यानी कि फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की क्षेत्रीय शाखा एपीजी ने नेपाल को आखिरी चेतावनी दी। नेपाल के पास सिर्फ 4 महीने का वक्त है वरना वह दुनिया की आर्थिक व्यवस्था से काट दिया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक एशिया पेसिफिक ग्रुप यानी कि एपीजी के एक हाई लेवल डेलीगेशन ने हाल ही में काठमांडू का दौरा किया। इस डेलीगेशन की अगुवाई कर रहे थे डेविड शेन जो 2002 से इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं और दुनिया के सबसे अनुभवी समीक्षकों में से एक हैं। उनकी मौजूदगी ही यह बताने के लिए काफी है कि मामला कितना सीरियस है। अब काठमांडू पोस्ट के मुताबिक यह नेपाल के लिए अंतिम उच्च स्तरीय हस्तक्षेप है। यानी अब और कोई मोहलत नहीं मिलेगी नेपाल को। सितंबर 2026 में होने वाली निर्णायक समीक्षा से पहले नेपाल को ठोस नतीजे दिखाने ही होंगे। एपीजी के अधिकारियों ने नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, नेपाल सेना और पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों की मानें तो इन बैठकों में एपीजी ने नेपाल की अब तक की प्रगति को बेहद निराशाजनक बताया।

विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार कल कर सकती है मंत्रिमंडल का विस्तार

चेन्नई, (एजेंसी)। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्री कजगम सरकार गुरुवार को अपने पहले कैबिनेट विस्तार की तैयारी कर रही है। यह कदम एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य गठबंधन की उम्मीदों, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और पार्टी के अंदरूनी समीकरणों को साधना है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह संभावित शपथ ग्रहण समारोह से पहले मंत्रियों की सूची को लेकर परामर्श का अंतिम दौर पूरा किया जाएगा। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, जो वर्तमान में अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, इस विस्तार से जुड़ी औपचारिकताओं की देखरेख के लिए बुधवार शाम चेन्नई पहुंचने की उम्मीद है। सत्ताधारी खेमे के सूत्रों के अनुसार, सरकार विस्तारित मंत्रिमंडल में अपने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को भी जगह दे सकती है। कांग्रेस के दो विधायक मंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में सामने आए हैं। सी.वी. शनमुगम और एस.पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके गुट के सदस्यों को कैबिनेट में जगह मिलने की अटकलों के बावजूद, सूत्रों ने बताया कि सत्ताधारी नेतृत्व ने कांग्रेस, वामपंथी दलों और विदुथलाई चिरुथाइगल काची सहित गठबंधन सहयोगियों के कड़े विरोध के बाद इस कदम से पीछे हटने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ मंत्री ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि एआईएडीएमके विधायकों को कैबिनेट में शामिल करने पर कभी कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विधानसभा में विश्वास मत के दौरान उनका समर्थन केवल राजनीतिक समर्थन था, जो सदन में दिया गया था।

भारत तेजी से बढ़ा रहा स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा – जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को जिनेवा में आयोजित 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा को संबोधित करते हुए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार और वैश्विक स्वास्थ्य एकजुटता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि "सभी के लिए स्वास्थ्य" के सिद्धांत के तहत भारत समावेशी और जन–केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जगत प्रकाश नड्डा ने "वैश्विक स्वास्थ्य को नया स्वरूप देनारू एक साझा जिम्मेदारी" विषय पर बोलते हुए कहा कि भारत 'समग्र–सरकार' और 'समग्र–समाज' दृष्टिकोण अपनाकर गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य की दिशा में तेजी से प्रगति कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में 1,85,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, ताकि लोगों को उनके समुदायों के पास ही व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य अवसंरचना और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। नड्डा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 880 मिलियन से अधिक यूनिक डिजिटल हेल्थ आइडेंटिटी बनाई जा चुकी हैं।

रक्षा सहयोग और हिंद–प्रशांत रणनीति पर रहेगा फोकस : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर दक्षिण कोरिया पहुंच गए हैं। 19 से 21 मई तक चलने वाली इस यात्रा का उद्देश्य भारत और दक्षिण कोरिया के बीच रक्षा सहयोग, रणनीतिक साझेदारी और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में समन्वय को और मजबूत करना है। राजनाथ सिंह ने सियोल पहुंचने पर कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने और साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। दौरे के दौरान वह दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री आन ग्यू–बैक के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बैठक में सैन्य सहयोग, रक्षा उद्योग, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। रक्षा मंत्री दक्षिण कोरिया के अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन (डीएपीए) मंत्री ली योंग–चेओल से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान रक्षा उत्पादन और रक्षा औद्योगिक सहयोग को विस्तार देने पर विशेष फोकस रहेगा। इसके अलावा, राजनाथ सिंह भारत–कोरिया व्यापार गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग लेंगे। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों में कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की भूमिका को ऐतिहासिक माना जाता है। उस समय भारतीय सेना की 60 पैराशूट फील्ड एम्बुलेंस यूनिट ने तीन वर्षों से अधिक समय तक सेवा देते हुए दो लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया और करीब 2,500 सर्जरी की थीं। भारत ने युद्ध के बाद तटस्थ राष्ट्र प्रत्यावर्तन आयोग की अध्यक्षता भी की थी और भारतीय सेना की कस्टोडियन फोर्स ने लगभग 2,000 युद्धबंदियों का शांतिपूर्ण प्रत्यावर्तन सुनिश्चित किया था। भारत के इसी ऐतिहासिक योगदान की स्मृति में 21 मई को दक्षिण कोरिया में भारतीय युद्ध स्मारक का संयुक्त उद्घाटन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजनाथ सिंह के साथ दक्षिण कोरिया के मंत्री क्वोन ओह–यूल भी शामिल होंगे। भारत

क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगा 'प्रगति-2026, भारतीय सेना ने किया स्वागत

मेघालय, (एजेंसी)। मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में मंगलवार को बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति–2026' का शुभारंभ हुआ। इस अभ्यास में भारत सहित 12 मित्र देशों की सेनाएं भाग ले रही हैं। भारतीय सेना ने सभी विदेशी सैन्य टुकड़ियों का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया इस सैन्य अभ्यास में भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम की सैन्य टुकड़ियां भाग ले रही हैं। यह अभ्यास क्षेत्रीय सहयोग और सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। 'प्रगति' यानी "हिंद महासागर क्षेत्र में विकास और परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय सेनाओं की साझेदारी" समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना पर आधारित है। यह मंच भाग लेने वाली सेनाओं को अनुभव साझा करने, पेशेवर आदान–प्रदान करने और आपसी सैन्य संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। भारतीय सेना के अपर महानिदेशक (इन्फैंट्री) मेजर जनरल सुनील शेओरान ने सभी प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों से खुलेपन, आपसी सम्मान और एक–दूसरे के अनुभवों से सीखने की भावना के साथ अभ्यास में शामिल होने का आह्वान किया। दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में अध–पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में आतंकवाद–रोधी अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त योजना अभ्यास, सामरिक स्तर के अभियान और समन्वित सैन्य संचालन शामिल होंगे। इस दौरान सैनिकों की अनुकूलन क्षमता, सहनशक्ति और सामरिक दक्षता को बेहतर बनाने पर जोर रहेगा। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संचालन के दौरान शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और तालमेल को भी प्राथमिकता दी जाएगी। अभ्यास के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी और रक्षा कंपनियां 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत विकसित स्वदेशी रक्षा उपकरणों और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन करेंगी।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और फूट की तैयारी, महाराष्ट्र में अब बड़ा होने वाला है

मुबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर से अटकलों का दौर शुरू हो गया है, क्योंकि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसदों और शिवसेना खेमे के नेताओं के बीच कई बैठकें हुई हैं। ऐसी ही एक ताजा बैठक मंगलवार को हुई, जब शिवसेना (यूबीटी) के सांसद भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे ने महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में विकास कार्यों और वाकचौरे के लोकसभा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय मुद्दों पर चर्चा हुई। हाल के दिनों में यह पहली ऐसी मुलाकात नहीं थी। एक दिन पहले, शिवसेना (यूबीटी) सांसद नागेश अष्टिकर ने भी अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। राजनीतिक चर्चाओं में इजाफा करते हुए, नासिक में श्रीकांत शिंदे की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में यूबीटी सांसद राजभाऊ की मौजूदगी ने दोनों खेमों के नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी की अटकलों को और हवा दी। बार–बार हो रही इन मुलाकातों ने इस बात पर नए सिरे से चर्चा शुरू कर दी है कि क्या उद्धव ठाकरे गुट के कुछ सांसद अंततः शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के करीब आ सकते हैं। महाराष्ट्र में हाल के वर्षों में बड़े राजनीतिक बदलाव और नाटकीय दल–बदल देखने को मिले हैं, जिससे इस तरह की हर मुलाकात राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। बढ़ती अटकलों के बावजूद, दोनों पक्षों के नेताओं ने मुलाकातों के पीछे किसी भी राजनीतिक मकसद से इनकार किया है।

आर्थिक संकट और संविधान पर खतरे से देश को बचाना होगा : राहुल गांधी

रायबरेली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली के लोधवारी गांव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरा पासी की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर आयोजित 'बहुजन स्वाभिमान सभा' में केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश जल्द आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है और इसका सबसे अधिक असर आम जनता पर पड़ेगा। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका–ईरान टकराव के कारण वैश्विक व्यापार प्रभावित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित होने से तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी, जिससे आने वाले समय में महंगाई बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, गैस और रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी होने वाली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार आम लोगों की समस्याओं से दूर है। राहुल गांधी ने कहा कि जब आर्थिक हालात बिगड़ेंगे, तब जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। सभा में राहुल गांधी ने संविधान और सामाजिक समानता का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वीरा पासी और भीमराव अम्बेडकर ने समानता और अधिकारों की लड़ाई लड़ी थी। राहुल गांधी ने कहा, "हिंदुस्तान में हर नागरिक समान है। हर व्यक्ति को अपने परिश्रम का पूरा फल मिलना चाहिए और सभी को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। यह देश सबका है, किसी एक जाति या संगठन का नहीं है।

बिहार सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में विफल : तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सीएम सम्राट चौधरी की सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बिहार सरकार पर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि सत्ता संरक्षित अपराधी अब प्रदेश की माताओं–बहनों और बेटियों पर कहर बनकर टूट रहे हैं। नई सरकार में महिला अपराध के मामले बढ़े हैं। उन्होंने प्रदेश की विभिन्न घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा और कहा कि गृह विभाग उनके पास होने के बावजूद अपराधियों में डर नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती बन गई है और सरकार केवल दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के बने अभी एक महीना ही हुआ है, लेकिन इस दौरान महिला अपराध के मामलों में तेजी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि छह महीने के भीतर बिहार में दो बार मुख्यमंत्री बदले गए। जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री को हटा कर शसिलेक्टिव मुख्यमंत्रीश बनाया गया। तेजस्वी यादव ने महिला सशक्तिकरण के सरकार के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश की करीब 65 प्रतिशत महिलाएं आज भी खून की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक स्थिति यह है कि महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में जाति देखकर एनकाउंटर किया जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि रेप पीड़िता की जाति देखो, आरोपी की भी जाति देखो, सरकार यही कर रही है।

उन्होंने कहा कि बालिका गृहकांड के आरोपी का एनकाउंटर कब होगा? उन्होंने भाजपा–जदयू पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं को 10–10 हजार रुपए चुनाव में बांटे गए और कहा गया कि दूसरी किश्त में दो लाख रुपए दिए जाएंगे। अभी तक यह राशि नहीं दी गई है। अगर सरकार महिलाओं को 2 लाख रुपए नहीं देगी तो ये महिलाएं सरकार को खत्म करने का काम करेंगी।

संपादकीय

तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी

चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतरू खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा।

ईरान और अमेरिका– इजराइल के युद्ध से दुनिया– खास कर पश्चिम एशिया में– कई तरह के ढांचागत बदलावों के संकेत उभरे हैं। उस दिशा में पहली ठोस खबर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल उत्पादक देशों के संगठनों ओपेक एवं ओपेक+ से अलग होने के रूप में आई है। यूएई के इस फैसले का अर्थ है कि विश्व तेल बाजार अब पहले जैसा नहीं रह जाएगा। मासिक उत्पादन का कोटा तय कर मूल्य नियंत्रित करने की इन संगठनों की ताकत को अब तगड़ा झटका लगा है। इसका सबसे खराब असर सऊदी अरब पर पड़ेगा, जो ओपेक की धुरी रहा है। चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतरू खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक+ के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। अमेरिका के एक बड़े तेल उत्पादक के रूप में उभरने और वेनेजुएला के तेल भंडारों पर उसका कब्जा होने के बाद ओपेक ढांचे के अलावा पहले ही एक बड़े विक्रेता के रूप में वह मौजूद हो चुका है। कयास है कि यूएई अमेरिका से तालमेल कर तेल की कीमतें तय करेगा। इससे तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी। बहरहाल, तेल बाजार में आ रहे इस ढांचागत बदलाव के साथ–साथ विभिन्न देशों के ऊर्जा बास्केट में भी बड़े परिवर्तन के अनुमान हैं। इनके मुताबिक इस बास्केट में ग्रीन एनर्जी, परमाणु ऊर्जा, और कोयला की जगह बढ़ने जा रही है। इससे दीर्घकाल में कच्चे तेल की मांग में गिर सकती है। इस संभावना को लेकर बड़ी तेल कंपनियां चिंतित हैं। फिर पश्चिम एशिया– खास कर खाड़ी क्षेत्र के समीकरणों में भी बदलाव की ठोस गुंजाइशें हैं। वहां अनेक देशों में ईरान के साथ सुरक्षा समझौते की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। इसके साथ ही तेल, गैस, एवं अन्य कारोबार की मुद्रा में क्रमिक परिवर्तन अब ठोस रूप ग्रहण कर रह है। चीन की मुद्रा युवान को डॉलर का विकल्प मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये सारे बुनियादी परिवर्तन हैं। इनके ठोस आकार लेने के बाद दुनिया 28 फरवरी के पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

मियावकी वन तकनीक से हरित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ते कदम

धनंजय

वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए मियावाकी तकनीक एक बेहद प्रभावी और लोकप्रिय विधि बन गई है। जापानी वनस्पतिशास्त्री डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित यह तकनीक केवल 2–3 वर्षों में बंजर भूमि को घने, आत्मनिर्भर सूक्ष्म वनों में बदल देती है। पारंपरिक वृक्षारोपण की तुलना में यह विधि 10 गुना तेजी से बढ़ती है और 30 गुना अधिक घने जंगल बनाती है, जो शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श है।ं छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण और वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए मियावकी वन तकनीक तेजी से अपनाई जा रही है। राज्य में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा इस तकनीक के जरिए शहरी क्षेत्रों, औद्योगिक क्षेत्रों और खनन प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हरियाली विकसित की जा रही है। मियावकी पद्धति में स्थानीय प्रजातियों के पौधों को अधिक घनत्व में लगाया जाता है, जिससे मात्र 3 से 5 वर्षों में घना जंगल तैयार हो जाता है। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2022 से मियावकी पद्धति के तहत लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। वर्ष 2022 में कोटा मण्डल में एनटीपीसी लिमिटेड के सहयोग से 1 हेक्टेयर क्षेत्र में 23 हजार पौधे तथा 0.3 हेक्टेयर में 7 हजार पौधे लगाए गए। वर्ष 2023 में कोटा के मिल्मी क्षेत्र में 6.4 हेक्टेयर भूमि पर 64 हजार पौधों का रोपण किया गया। वहीं गेवरा क्षेत्र में 2 हेक्टेयर भूमि पर 20 हजार पौधे लगाए गए। वर्ष 2024 में कोटा के उच्चभट्टी क्षेत्र में 3.2 हेक्टेयर में 32 हजार पौधे लगाए गए। इसके अलावा रायगढ़ मण्डल के तिलईपाली और छाल क्षेत्रों में कुल 3.75 हेक्टेयर भूमि पर 37 हजार 500 पौधों का सफल रोपण किया गया। वर्ष 2025 में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं जारी वर्तमान में राज्य के कई क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्य तेजी से जारी है। बारनवापारा मण्डल में श्हरियर छत्तीसगढ़य योजना के तहत 6 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। कोरबा और रायगढ़ क्षेत्रों में साउथ इस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सहयोग से 4 हेक्टेयर क्षेत्र में 40 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है। वहीं विशेष परियोजनाओं के अंतर्गत महानदीकोलफील्ड लिमिटेड द्वारा 1.9 हेक्टेयर भूमि पर 64 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अरपा नदी के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण में मिल रहे बहुआयामी लाभ विशेषज्ञों के अनुसार मियावकी वन सामान्य जंगलों की तुलना में अधिक कार्बन अवशोषित करते हैं। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। यह तकनीक वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने, भू–जल स्तर सुधारने और मिट्टी संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन वनों की शुरुआती वर्षों में देखभाल की जाती है, जिसके बाद ये जंगल स्वतरू विकसित होने लगते हैं। इससे रखरखाव की लागत कम होती है और लंबे समय तक पर्यावरणीय लाभ मिलता है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए कोरबा जिले के गेवरा क्षेत्र के 12.45 हेक्टेयर डंप क्षेत्र में 33 हजार 935 मिश्रित प्रजातियों के पौधों का सफल रोपण किया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। कोयला खनन के बाद डंप क्षेत्रों में उपजाऊ मिट्टी नीचे दब जाती है और ऊपर पत्थर, कोयला अवशेष तथा अनुपजाऊ मिट्टी रह जाती है। ऐसे क्षेत्रों में पौधों का उगना बेहद कठिन माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिक पद्धति और सतत प्रयासों से इस बंजर भूमि को अब हरियाली में बदला जा रहा है। डंप क्षेत्र की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए वर्मी कम्पोस्ट, नीमखली और डीएपी का उपयोग किया गया। जीपीएस सर्वे और सीमांकन के बाद व्यवस्थित गड्ढे तैयार किए गए तथा 3 से 4 फीट ऊंचाई वाले स्वस्थ पौधों का रोपण किया गया। इस क्षेत्र में नीम, शीशम, सिरस, कचनार, करंज, आंवला, बांस, महोगनी, महुआ और बेल जैसी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इससे आने वाले समय में यह क्षेत्र पक्षियों और अन्य वन्य जीवों के लिए भी उपयुक्त आवास बन सकेगा। शुरुआती 2–3 वर्षों की देखभाल के बाद, यह वन पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो जाता है और इसे किसी उर्वरक या पानी की आवश्यकता नहीं होती है। रोपण के बाद पौधों की नियमित सिंचाई, खाद, निंदाई–गुड़ाई, घास कटाई और सुरक्षा का कार्य लगातार किया जा रहा है। मृत पौधों का समय पर प्रतिस्थापन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वर्ष 2025 से 2029 तक पांच वर्षों तक रखरखाव के बाद इस विकसित हरित क्षेत्र को साउथ इस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड गेवरा को सौंपा जाएगा।

फिर कैसे मिले सुर मेरा–तुम्हारा

उमेश

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें

उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं। दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक–दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है। ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी–नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है। गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा–गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफ बाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ– बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफ हो रहा है। प. बंगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही। संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं।

सतीशन का मुख्यमंत्री बनना कांग्रेस में एकजुटता का परिचय

कल्याणी

वेणुगोपाल को राहुल गांधी का समर्थन मिलने में एक पेंच यह था कि विधायक बनने के लिए वेणुगोपाल को अपने सांसद पद से इस्तीफा देना पड़ता। जमीनी स्तर पर हुए विरोध प्रदर्शनों में सतीशन को ज्यादा समर्थन मिला, और वे पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी आवाज बनकर उभरे। केरल के मुख्यमंत्री के चयन के दौरान कांग्रेस पार्टी को अपने ही खेमे में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस प्रक्रिया में 11 दिन लगे और यह पार्टी के अलग–अलग गुटों के बीच मतभेदों को सुलझाने में अहम साबित हुई, जिससे एकता के लिए आपसी सहमति के महत्व का पता चलता है।के.सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद वी.डी. सतीशन को चुना गया। प्रियंका और राहुल गांधी ने अपना फैसला लेते समय जनता की भावना का भी ध्यान रखा। चयन प्रक्रिया के दौरान अंदरूनी तनाव भी सामने आए, लेकिन आखिरकार वेणुगोपाल ने पार्टी के बड़े हित को देखते हुए सतीशन की नियुक्ति का समर्थन किया। कांग्रेस आलाकमान इस मामले पर बंटा हुआ था। सोनिया गांधी चेन्निथला के पक्ष में थीं, जबकि राहुल गांधी वेणुगोपाल का समर्थन कर रहे थे, और प्रियंका गांधी सतीशन को पसंद कर रही थीं। इससे पार्टी के आलाकमान के भीतर चल रहे आपसी मतभेद खुलकर सामने आ गए। इसके अलावा, कांग्रेस पर उसके सहयोगी दल – इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) – और जनता की भावना, दोनों की ओर से दबाव था। इन दोनों ही बातों का गांधी परिवार की छवि पर असर पड़ा। भारत यात्रा गाइडराहुल और प्रियंका गांधी ने इस स्थिति पर आपस में चर्चा की, लेकिन उनके बीच के मतभेद कांग्रेस कार्यालयों के बाहर और प्रियंका के वायनाड स्थित दफ्तर के बाहर लगे पोस्टरों में साफ दिखाई दे रहे थे। ऐसे ही एक पोस्टर पर लिखा था, शमिस्टर राहुल, हो सकता है कि के.सी. आपका झोला उठाने वाले हों, लेकिन केरल की जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी।श इस पोस्टर के जरिए राहुल द्वारा वेणुगोपाल को चुनने के फैसले पर अपनी नाराजगी शाहिर की गई थी।राहुल गांधी ने जनता की नब्ज टटोलकर और मुख्यमंत्री पद के दावेदारों– वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला– के साथ तालमेल बिठाकर केरल के मुख्यमंत्री के चयन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी के साथ लंबी बैठकें कीं, ताकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के भीतर चुनाव के बाद पैदा हुए गतिरोध को दूर किया जा सके। आईयूएमएल ने वी.डी. सतीशन के धर्मनिरपेक्ष रवैये को देखते हुए मुख्यमंत्री पद के लिए उनका समर्थन किया। वेणुगोपाल ने राहुल और प्रियंका से दो घंटे से भी ज्यादा समय तक मुलाकात की और मुख्यमंत्री के तौर पर सतीशन की नियुक्ति के प्रति अपना समर्थन जहिर किया। हालांकि वेणुगोपाल खुद भी मुख्यमंत्री पद के एक मजबूत दावेदार थे, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का हित सबसे ऊपर होना चाहिए। सतीशन, जो छह बार विधायक रह चुके हैं और यूडीएफ के चुनाव प्रचार के नेता थे, ने यह वादा किया था कि अगर यूडीएफ केरल की 140 सीटों में से कम से कम 100 सीटें नहीं जीत पाती है, तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। आखिरकार, इस गठबंधन ने 102 सीटें जीतीं, जिसमें कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यह सतीशन के नेतृत्व पर लोगों के भरोसे को दिखाता है।वेणुगोपाल को राहुल गांधी का समर्थन मिलने में एक पेंच यह था कि विधायक बनने के लिए वेणुगोपाल को अपने सांसद पद से इस्तीफा देना पड़ता। जमीनी स्तर पर हुए विरोध प्रदर्शनों में सतीशन को ज्यादा समर्थन मिला, और वे पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी आवाज बनकर उभरे। एक दशक के बाद केरल में यूडीएफ की सत्ता में वापसी में उन्होंने अहम भूमिका निभाई।वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना के खिलाफ हुए इन जमीनी विरोध प्रदर्शनों ने कांग्रेस के भीतर की अंदरूनी फूट को उजागर कर दिया। सतीशन ने यह माना कि इन प्रदर्शनों का जनता की राय पर असर पड़ा। कांग्रेस पार्टी को इसमें भाजपा के एक मजबूत विकल्प के तौर पर खुद को पेश करने का एक अवसर नजर आता है। केरल की राजनीति में हलचल मचाने की सतीशन की क्षमता कई अहम बातों पर निर्भर करेगी। वे पार्टी के साथ मिलकर काम करेंगे, लेकिन पार्टी की सत्ता संरचना और पदक्रम भी काफी मायने रखते हैं। साल 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान, ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच पैदा हुई खाई ने कांग्रेस पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस खाई की वजह से कई लोगों ने पार्टी से दूरी बना ली, जिससे पिनाराई विजयन को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने में मदद मिली। राजनीतिक विश्लेषक सेवा केरल के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद, वीडी सतीशन के सामने तुरंत कई प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हैं, जिनमें गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ता कर्ज और राजस्व में भारी कमी शामिल हैं। इन समस्याओं को हल करने का उनका पक्का इरादा उनके नेतृत्व में लोगों का भरोसा जगा सकता है। उनके सामने सबसे पहली चुनौती मंत्रिमंडल का गठन करना है। इसमें कांग्रेस के भीतर के अलग–अलग गुटों को जगह देना, आईयूएमएल जैसे अहम

सहयोगी दलों को संतुष्ट करना और पार्टी के भीतर किसी भी तरह की नाराजगी को पनपने से रोकना शामिल है। उन्होंने कांग्रेस के दस मंत्रियों और बाद में आईयूएमएल के पांच मंत्रियों के नामों की घोषणा की है। उन्हें भारी राजकोषीय घाटे और राज्य पर चढ़े भारी–भरकम कर्ज की समस्या से भी निपटना होगा, जिसके लिए उन्हें आर्थिक विकास को अपनी पहली प्राथमिकता बनानी होगी। उन्हें अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना होगा, बेरोजगारों को रोजगार देना होगा, अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े राजनीति को समझदारी से संभालना होगा, श्लीग श् और श्जमात–ए– इस्लामीश् के साथ संबंधों को लेकर भाजपा की आलोचनाओं का जवाब देना होगा, और साथ ही विरोधी राजनीतिक गुटों की साजिशों से बचते हुए पार्टी की एकता को भी बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि इस पूरी प्रक्रिया में सभी लोगों को शामिल किया जाए, और इस बात पर जोर दिया कि असहमति या विरोध का अधिकार लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है। श्जो लोग मुझे नापसंद करते हैं, जिन्होंने मेरा विरोध किया, और जिन्होंने मेरी आलोचना की,उन सभी को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है,श उन्होंने कहा। सतीशन के लिए मुस्लिम वोटों को एकजुट करने में जमात–ए–इस्लामी ने एक अहम भूमिका निभाई है। ऐसे सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाते हुए अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को बनाए रखना एक चुनौती भरा काम होगा। सतीशन के सामने एक और मुश्किल काम यह है कि वे जमात के हितों और उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वीकृसुन्नी सर्वोच्च संस्था श्समस्तश्कृके हितों के बीच संतुलन कैसे बनाएं।

ओ पी की विकासपरक राजनीति बनाम सिंदूर पार्क ऑक्सीजोन

मुकेश जैन

किसी शहर का सर्वांगीण विकास एक जटिल और श्रम–साध्य मसला है, विशेषकर किसी पुराने बसाहट वाले शहर का व्यवस्थित विकास बहुत ही पेचीदा होता है। इसके लिये शहरवासियों की जरूरतों की ठीक–ठीक समझ, वहाँ की पारिस्थितिक विशेषताओं, सांस्कृतिक परिवेश, परंपराओं व विरासत के साथ संतुलन स्थापित करना , इसके ठीक समानांतर आधुनिक भविष्य की जरूरतों के साथ तालमेल कायम रख पाना और इन सबके बीच ठोस व समयबद्ध कार्ययोजना का निर्माण तथा योजनाओं को धरातल पर उतारने का आवेगपूर्ण संकल्प, सभी का एकजायी होना आवश्यक होता है। यह सुखद संयोग है कि रायगढ़वासियों को इन सभी विशिष्ट योग्यताओं से परिपूर्ण ओ पी चौधरी का कुशल नेतृत्व मिला है और इस अंचल से दिली–लगाव रखने वाले विष्णु देव साय मुख्यमंत्री के रूप में हमारे साथ हैं। कहते हैं कि जब नेतृत्व सबल, नियत साफ और सोच बड़ी हो तो जनता के सपनों को न केवल पंख लग जाते हैं वरन एक–एक करके सपने साकार भी होने लगते हैं। रायगढ़ में विगत ढाई वर्षों से चल रहे विकास कार्यों की लंबी श्रृंखला इसकी बानगी है। इस श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में शहर के हृदय स्थल में नवनिर्मित बेहतरीन ऑक्सीजोन कल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से आमजनता को अर्पित हुआ है। निश्चित रूप से यह अवसर रायगढ़ के नव–विकास के शिल्पी ओ पी चौधरी की पीठ थपथपाने और हमारे लाड़ले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करने का क्षण है। यह रायगढ़ के चेहरे पर एक मीठी व लम्बी मुस्कान बिखरने का क्षण है। अतीत की उपेक्षा और नया संकल्प– जब हम रायगढ़ के अतीत पर नजर डालते हैं तो हम पाते हैं कि मध्यप्रदेश के धुर–पूर्वी छोर का अंतिम शहर होने के कारण हमारा रायगढ़ दशकों तक भोपाल में बैठे नीति–निर्धारकों की दृष्टि से लगभग ओझल ही रहा। रायगढ़ को 1901 में नगरपालिका परिषद का दर्जा मिला। तब से लेकर 2001 तक 100 वर्षों के लंबे कालखण्ड में रायगढ़ बेहद मंथर गति से यात्रा करता रहा। मध्यप्रदेश के बड़े शहरों की ओट में दुबक कर रायगढ़ यथास्थिति में रहने का अभिशाप झेलता रहा। हमारे आस–पास के रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग भी विकास के मामले में हमसे काफी आगे निकल गये। अटल जी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात दिये जाने के बाद परिस्थितियां बदलीं। 2002 में रायगढ़ को निगम का दर्जा हासिल हुआ। 2003 में नये नेतृत्व को काम करने का मौका मिला और रायगढ़ उपेक्षा के दौर से बाहर निकलकर विकास की दहलीज छूने लगा। इस दौर में कतिपय उल्लेखनीय काम जरूर हुये लेकिन 100 वर्षों के बैकलॉग के सामने ये नाकाफी थे। चूंकि लंबे समय की जड़ता थी इसलिये विकास की मुख्यधारा में लाने के लिये फुटकर प्रयासों से काम नहीं चलने वाला था। उसे एकमुश्त बड़ी छलांग लगाने की जरूरत थी और इस सिद्धि के लिये रायगढ़ किसी ताकतवर एवं सक्षम उद्धारक की बाट जोह रहा था। उनकी वर्षों की यह तलाश ओ पी चौधरी तक आकर पूर्ण हुई है। रायगढ़ के वृहत काया–कल्प हेतु चल रहे सौ से अधिक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स और उन पर ताबड़–तोड़ एक्शन इस बात के जीवंत प्रमाण हैं। विगत दो–ढाई वर्षों के अनथक क्रियाकलापों से ओ पी ने एक ही राजनीति– विकास की राजनीति के मूलमंत्र को कार्य रूप में सिद्ध करके दिखाया है। विकास अपने–आप में एक विस्तृत व बहुआयामी अवधारणा है। ओ पी चौधरी के लिये विकास का आशय केवल बड़े व मेगा प्रोजेक्ट्स को मूर्तरूप देने तक सीमित नहीं है वरन आम लोगों के आर्थिक व सामाजिक जीवन का उत्थान व जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव उनके लिये विकास का असली पैमाना है। विकास कार्यों की लंबी श्रृंखला– नालन्दा परिसर, केलो–नहर निर्माण, प्रस्तावित रिंग रोड, मेरीन ड्राइव, स्टेडियम का उन्नयन, हॉर्टिकल्चर कॉलेज, प्रयास विद्यालय, आधुनिक बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन का आधुनिकीकरण, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, सीवरेज, सड़क, पुल–पुलियों के साथ ही पहाड़ मंदिर का ईको–सेंटर की तर्ज पर विकास , उर्दना में नगर –वन की स्थापना और शहर के चारों ओर अलग–अलग ऑक्सीजोन का निर्माण यह दर्शाता है कि ओ पी चौधरी लोगों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण बदलाव को लेकर कितने संजीदा हैं। बहुपयोगी सुविधाओं से लैस ऑक्सीजोन – शहर के बीचों–बीच इतवारी बाजार और कृषि–उपज मंडी का बड़ा भूखंड लगभग अनुपयोगी सा पड़ा था। इस पर कभी मल्टीस्टोरी शापिंग काम्पलेक्स व मल्टी लेवल आधुनिक पार्किंग की योजना बनी और ऑडिटोरियम निर्माण की योजना बनी लेकिन विभिन्न विभागों में सामंजस्य की कमी और राजनीतिक अड़ंगेबाजी के कारण कोई भी योजना परवान नहीं चढ़ सकी। इस बेशकीमती भूखंड का व्यावसायिक उपयोग करके शासन इसे बड़े आर्थिक रिटर्न व एक नियमित आय का जरिया बना सकती थी लेकिन ओ पी चौधरी ने इसे आम जनता के हितार्थ ऑक्सीजोन के लिये चुना और इसके बहुपयोगी स्वरूप की परिकल्पना की तो उसके पीछे गहरी सोच व गूढ़ निहितार्थ हैं। शहर के आस–पास उद्योगों की स्थापना, शहर के भीतर वृहत कांक्रीटीकरण और बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही आदि कारणों से शहर में कार्बनडाइऑक्साइडका स्तर अपेक्षाकृत अधिक होता है। अलग–अलग स्थानों में ऑक्सीजोन के निर्माण के द्वारा ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाना आम तौर पर पर्यावरणीय संतुलन कायम करने का एक समाधानकारक व बेहतर विकल्प होता है। नवनिर्मित ऑक्सीजोन में विशेषज्ञों की सलाह पर अधिक ऑक्सीजन उत्सर्जन करने वाले पेड़–पौधे लगाये गये हैं, बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले–फिसलपट्टी आदि की व्यवस्था है, योग हेतु अलग मंच, ओपन एयर थिएटर सहित वॉकिंग ट्रैक भी है। इससे लगकर एक गेम–जोन व फूडकोर्ट और व्यवस्थित पार्किंग का निर्माण भी किया गया है। संक्षेप में, जहां एक ओर यह ऑक्सीजोन काफी हद तक प्रदूषण से राहत देने वाला केंद्र होगा वहीं दूसरी ओर यह सैर–सपाटे, योग, स्वच्छ हरित पट्टिका, वॉकिंग, कला मंचन आदि की सुविधाओं से लैस उपयोगी स्वास्थ्य केंद्र , कम्युनिटी मीटिंग और कलात्मक व सांस्कृतिक मेल–जोल के केंद्र के रूप में भी उपयोगी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप हुआ नामकरण – इस ऑक्सिजोन के साथ एक विशिष्ट और उल्लेखनीय विषय इसके नाम का चयन भी है। विदित हो कि पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा काश्मीर घाटी में भारतीय महिलाओं के सामने ही उनका सिंदूर मिटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व में भारतीय सेना ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन करते हुये ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और पाकिस्तान को ऐसा मुँह–तोड़ जवाब दिया था कि पूरा विश्व अचंभित हो गया। ऑक्सीजोन का नाम सिंदूर पार्क रखकर न केवल उस आतंकी घटना में शहीद हुये 26 निर्दोष भारतीय नागरिकों को एक विनम्र श्रद्धांजलि दी गयी है वरन यह उन बहनों को भावपूर्ण संदेश भी है कि देशवासी उनके पतियों के बलिदान को भूले नहीं हैं। यह नामकरण भारतीय सेना के तीनों विंग के जवानों व महिला सैनिकों के अदम्य साहस को एक गर्वीला सैल्यूट भी है। एक पार्क को इस तरह से एक राष्ट्रीय संदर्भ से जोड़ देने के पीछे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अभिनव सोच मुख्य कारक बनी। इसके लिये वे साधुवाद के पात्र हैं। कंटीले रास्तों पर चलकर मिला है ऑक्सीजोन– किसी पुराने शहर में एक स्थापित स्थल के परंपरागत उपयोग को परिवर्तित करना जोखिम भरा कदम होता है।

तकनीकी, सूचना केंद्रित व बहुआयामी होंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस

लखनऊ, (संवाददाता)। भविष्य के युद्ध तकनीकी, सूचना केंद्रित और बहुआयामी होंगे। ऐसे में तीनों सेनाओं का संयुक्त रहना जरूरी है। इसके लिए थिएटराइजेशन और संयुक्त सैन्य सुधार आवश्यक है। यह कहना है सेना के चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का। वह मंगलवार को लखनऊ में थिंकटैंक स्ट्राइव इंडिया की ओर से आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। 'डिफेंस विजन 2047' और भविष्य के युद्धों की बदलती प्रकृति पर बातचीत हुई। भारतीय सेना में चल रहे आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया। तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य, परिचालन एकीकरण और स्वदेशी क्षमताओं के विकास में हो रही प्रगति को कार्यक्रम में रेखांकित किया गया। थिएटराइजेशन के मुद्दे पर सीडीएस ने कहा कि थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल से त्वरित निर्णय लिए जा सकेंगे। एकीकृत परिचालन योजनाएं बनाई जा सकेंगी। सैन्य संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित होगा। सीडीएस ने भविष्य की रक्षा तैयारियों में आधुनिक तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर भी विचार व्यक्त किए। कहा कि एआई, स्वायत्त प्रणालियों, ड्रोन, साइबर तकनीकों को सेना में शामिल करने के लिए उद्योग जगत, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर दीर्घकालिक निर्भरता कम होगी। साथ ही अनुसंधान और नवाचार को मजबूती भी देनी होगी।

नोएडा में लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मंगलवार को पिकप भवन, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनकी निष्पक्ष जांच कर दोषी एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने आरसी (रिकवरी प्रमाणपत्र) जारी होने के बावजूद कई मामलों में सही मिलान न होने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी ढंग से जांच की जाए तथा जहां कहीं भी अनियमितता सामने आए, वहां तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण के मामलों को गंभीरता से लिया जाए और संबंधित अधिकारियों एवं व्यक्तियों की जवाबदेही तय की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि दोषी व्यक्ति के सेवानिवृत्त होने से पहले आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर ली जाए।मंत्री ने औद्योगिक सेक्टरों के आसपास की खराब सड़कों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इन क्षेत्रों की सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक जोन में सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही बरतने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए, ताकि कार्य संस्कृति में सुधार हो और समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने पार्कों के अनुरक्षण एवं साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए।

राजकीय आईटीआई अलीगंज में 21 और 22 मई को मारुति सुजुकी का विशाल रोजगार शिविर

लखनऊ, (संवाददाता)। देश की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 21 एवं 22 मई को लखनऊ स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज परिसर में विशाल परिसर चयन (कैंपस प्लेसमेंट) का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती अभियान के माध्यम से हरियाणा स्थित कंपनी के संयंत्रों में फिक्स्ड टर्म कर्मचारी पदों पर चयन किया जाएगा।राजकीय आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खान ने बताया कि 21 मई को सुबह 10 बजे से अभ्यर्थियों का प्रारंभिक मूल्यांकन, जिसमें लिखित एवं तकनीकी परीक्षा शामिल होगी, आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 22 मई को चयनित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार संपन्न कराए जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया के तहत पुरुष अभ्यर्थियों को खरखौदा (सोनीपत) संयंत्र तथा महिला अभ्यर्थियों को मानेसर (गुरुग्राम) संयंत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।पुरुष अभ्यर्थियों के लिए लगभग 32 हजार रुपये प्रतिमाह तथा महिला अभ्यर्थियों के लिए 41,713 रुपये प्रतिमाह (सीटीसी) वेतन प्रस्तावित किया गया है। कंपनी की ओर से अन्य नियमानुसार सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों को रियायती भोजन और वर्दी जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का हाईस्कूल न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। साथ ही फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, पेंटर, टर्नर, टूल एंड डाई मेकर, शीट मेटल वर्कर तथा ऑटो बॉडी रिपेयर जैसे यांत्रिक व्यवसायों में एनसीवीटी अथवा एससीवीटी मान्यता प्राप्त आईटीआई उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

खरीफ–2026 के लिए 1.99 लाख कुंतल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश सरकार ने खरीफ–2026 सीजन के अंतर्गत किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के लिए सामान्य, प्रदर्शन एवं मिनीकिट योजना के तहत कुल 1,99,910 कुंतल बीज वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस संबंध में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को अपने राजकीय आवास पर कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर समयबद्ध बीज उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में कृषि मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को सही समय पर और पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध कराए जाएं तथा प्रत्येक स्थिति में 31 मई तक सभी विक्रय केंद्रों पर बीज पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अब तक विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से 75,429 कुंतल बीज उपलब्ध कराया जा चुका है। वहीं अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के किसानों को 2,636 कुंतल प्रमाणित बीजों का वितरण भी किया जा चुका है।खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों के लिए धान के बीज का लक्ष्य 80,000 कुंतल निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 64,228 कुंतल बीज उपलब्ध हो चुका है।

राहुल गांधी के आज अमेठी पहुंचने से पहले पूरे शहर में लगे पोस्टर

लखनऊ, (संवाददाता)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे से पहले जिले का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। शहर के कई प्रमुख स्थानों पर विवादित पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें कांग्रेस और स्थानीय सांसद किशोरी लाल शर्मा पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन पोस्टरों के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच चर्चाएं तेज हो गई हैं। पोस्टरों पर मुख्य रूप से लिखा गया हैकृ "दो साल किशोरी तुमने लाल क्या किया?" इसके जरिए सांसद बनने के बाद उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों का हिसाब मांगा गया है।

एक लाख इनामी भोले राजभर के घर के पास अवैध कब्जा हटाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जपटापुर का निवासी एक लाख ईनामी भोले राजभर के घर पहुंचे शाहगंज एसडीएम ने घर के पास अवैध कब्जे को हटाया और भी कार्रवाई के लिए चिन्हित किया। एक मई को बड़ऊर गांव निवासी आजाद बिन्द को बारात जाते समय गोली मार कर हत्या कर दी थी। जिसमें प्रदीप बिंद, रवि यादव ,भोले राजभर को नामजद किया गया और आरोपियो पर प्रशासन ने एक लाख का इनाम घोषित किया। सभी फरार हैं। इस क्रम में बुधवार देर शाम एसडीम शाहगंज कुणाल गौरव ने राजस्व कर्मियों के साथ पहुंचे और उनके घर के आसपास सब

कुछ चिन्हित कराया चिन्हित भूमि करने के बाद 59 डिसिमल घर के पास का अवैध कब्जा जेसीबी से हटाया गया । और राजस्व कर्मियों को निर्देश दिया गया की और भी जमीनी चिन्हित की जाए अगर अवैध है तो उसे पर कार्रवाई होगी। इस बारे में गुरुवार को जानकारी लेने पर एसडीम शाहगंज कुणाल गौरव ने कहा की सरकारी जमीन के कोन की जमीन पर 59 डेसिमल कब्जा था जिसको जेसीबी से हटाया गया। इसके अलावा और भी जमीन आगे चिन्हित करने की कार्रवाई की जाएगी। अगर अवैध पाया गया तो उस पर भी कार्रवाई होगी।फिलहाल जिलाधिकारी द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई करने की बात कही हैं

लाइनबाजार थाने के सामने सीज गाड़ी में लगी आग, दमकल ने समय रहते पाया काबू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शहर के लाइनबाजार थाना परिसर के सामने गुरुवार दोपहर एक सीज की गई गाड़ी में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग लगने के बाद मौके पर तेज लपटें और काला धुआं उठने लगा, जिससे थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों और फरियादियों में हड़कंप मच गया। हालांकि दमकल विभाग की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार घटना दोपहर करीब एक बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सीज गाड़ी के पास रखे कूड़े के ढेर में आग लगी थी, जिसकी चिंगारी तेज हवा के कारण गाड़ी तक पहुंच गई। देखते ही देखते गाड़ी आग की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 10 से 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों तक आग फैलने से बच गई। मौके पर पहुंचे फायर स्टेशन ऑफिसर नागेंद्र नाथ द्विवेदी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कूड़े के ढेर में आग लगने के कारण घटना होना सामने आया है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कूड़े में आग लगाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल लाइनबाजार थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कूड़े के ढेर में आग किसने और किन परिस्थितियों में लगाई।

जमीन विवाद में मोबाइल टावर पर चढ़े युवक की गिरकर मौत, जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यी टीम का किया गठन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित बक्शा थाना क्षेत्र के उतरीजपुर गांव में जमीन विवाद से क्षुब्ध एक युवक की मोबाइल टावर से गिरकर मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। थाना अंतर्गत विशेषरपुर निवासी श्रीप्रकाश यादव(30) पुत्र राजाराम यादव का पड़ोसी से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। युवक का आरोप था कि उसकी जमीन गाटा संख्या से संबंधित सीमांकन गलत तरीके से किया गया है और विपक्षी उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। गुरुवार को विवाद बढ़ने पर श्रीप्रकाश विरोध जताने के लिए गांव स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और ग्रामीण उसे नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास कर रहे थे, तभी वह अचानक असंतुलित होकर नीचे गिर पड़ा। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच तथा हरसंभव आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है, जो तीन दिन में रिपोर्ट देगी। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जमीन सीमांकन का मामला पहले से चल रहा था और युवक इसी बात से आहत होकर टावर पर चढ़ा था। वहीं मृतक के भाई जयशंकर यादव ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा समय रहते सुनवाई नहीं किए जाने के कारण यह घटना हुई। फिलहाल गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात है और मामले की जांच जारी है।

भीषण गर्मी में भट्ठी बनीं ट्रेनें, एसी फेल होने से कई यात्री बीमार, जनरल बोगियों में हालात और भी खराब

लखनऊ, (संवाददाता)। भीषण गर्मी और तपन के बीच ट्रेनों का सफर यात्रियों के लिए अग्निपरीक्षा साबित हो रहा है। तकनीकी खामियों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण ट्रेनों के भीतर यात्री बीमार पड़ रहे हैं। ताजा मामला छपरा–गोमतीनगर एक्सप्रेस और राप्तीसागर एक्सप्रेस का है, जहां एसी कूलिंग पूरी तरह ठप होने और अत्यधिक गर्मी के कारण कई यात्रियों की तबीयत बिगड़ गई। उल्टी, दस्त और दम घुटने की शिकायत के बाद ऐशबाग स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। गाड़ी संख्या 15053 छपरा–गोमतीनगर एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच (ए–1) के यात्रियों ने बताया कि बोगी के एसी यूनिट ने अचानक काम करना बंद कर दिया। बाहर की गर्मी और अंदर डिब्बे में वेंटिलेशन न होने से पूरा कोच कुछ ही देर में गर्म भट्ठी में तब्दील हो गया। यात्री विनायक द्विवेदी और ज्ञानेश्वर पांडेय ने सोशल मीडिया पर रेलवे प्रशासन को टैग करते हुए गुहार लगाई कि डिब्बे में हवा न होने से बुजुर्गों और बच्चों का दम घुटने लगा है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि कई बच्चों और बुजुर्गों को लगातार उल्टियां होने लगीं। यात्रियों ने तुरंत तकनीकी और मेडिकल टीम भेजने की मांग की, जिसके बाद अगले बड़े स्टेशनों पर ट्रेन को अटेंड किया गया। ऐसी ही एक अन्य घटना गाड़ी संख्या 12521 राप्तीसागर एक्सप्रेस में भी सामने आई। ट्रेन में दो यात्रियों को डायरिया (दस्त) और उल्टी की शिकायत शुरू हो गई। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद जैसे ही ट्रेन ऐशबाग रेलवे स्टेशन पहुंची, वहां ऐशबाग पॉलीक्लीनिक के अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय तिवारी और उनकी पैरामेडिकल टीम ने कोच के भीतर ही मरीज बने यात्रियों का प्राथमिक उपचार शुरू किया, उन्हें ओआरएस, दवाएं और जीवन रक्षक इंजेक्शन दिए, जिसके बाद उनकी स्थिति सुधरी।

लेखपाल मुख्य परीक्षा–2025 शुरू, जौनपुर के 21 केंद्रों पर 9696 परीक्षार्थी शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा–2025 गुरुवार को जौनपुर जनपद के 21 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। परीक्षा एक पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जा रही है। जनपद में कुल 9696 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की गई है। स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं अपर जिलाधिकारी (भू–राजस्व) अजय अंबष्ट ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए 21 जोनल मजिस्ट्रेट, 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 5 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 21 स्टैटिक मजिस्ट्रेट और 10 आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की भी ड्यूटी लगाई गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की सतत निगरानी की जा रही है। आयोग की गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करते हुए परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को अपने–अपने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस प्रशासन को सतर्कता बरतने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाए रखने को कहा गया है। यातायात निरीक्षक को भी निर्देशित किया गया है कि परीक्षा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जौनपुर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई लेखपाल मुख्य परीक्षा, 7802 अभ्यर्थी हुए शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा गुरुवार को जिले के 21 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एक पाली में आयोजित की गई। जिले में कुल 9696 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7802 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 1894 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की गई थी। परीक्षा की निगरानी के लिए 21 जोनल मजिस्ट्रेट, 21 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 5 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे। इसके अलावा 21 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 10 आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी गई। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज, विधि महाविद्यालय पीलीकोठी तथा जीजीआईसी इंटर कॉलेज में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, शौचालय एवं अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को आयोग के दिशा–निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनियमितता न होने देने के निर्देश दिए। इस दौरान स्टैटिक मजिस्ट्रेट, संबंधित अधिकारी एवं केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

मेदांता लखनऊ में फेफड़ों की दुर्लभ बीमारी का सफल इलाज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेदांता लखनऊ के रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन विभाग ने एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के साथ मिलकर एक दुर्लभ फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीज पर सफलतापूर्वक 'बाइलेटरल होल लंग लवेज' प्रक्रिया को अंजाम दिया है। यह जटिल और अत्यधिक विशेषज्ञता वाली प्रक्रिया संस्थान की उन्नत और मल्टी डिसिप्लिन चिकित्सा सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पल्मोनरी एल्वियोलर प्रोटीनोसिस फेफड़ों की दुर्लभ बीमारी है, जिसमें फेफड़ों के एल्वियोलाई (वायु थैलियों) में प्रोटीन और फैट से बना सर्फैक्टेंट असामान्य रूप से जमा हो जाता है। इस जमाव के कारण फेफड़ों में हवा का प्रवेश रुक जाता है, जिससे मरीज को सांस लेने में गंभीर तकलीफ और लगातार खांसी की समस्या होती है। इस बीमारी का संदेह आमतौर पर रेडियोलॉजिकल जांच, विशेष रूप से हाई–रिजोल्यूशन सीटी स्कैन में दिखाई देने वाले विशिष्ट पैटर्न के आधार पर किया जाता है। इसकी पुष्टि ब्रोंकोएल्वियोलर लवेज साइटोलॉजी से होती है, जिसमें फेफड़ों से प्राप्त द्रव का रंग दूधिया पाया जाता है। इस द्रव पर पीएएस स्टेनिंग की जाती है, जो प्रोटीनयुक्त पदार्थ की उपस्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाकर रोग की पुष्टि करती है। लक्षण वाले मरीजों के लिए 'होल लंग लवेज' को इस बीमारी का मानक उपचार माना जाता है। इस प्रक्रिया में जनरल एनेस्थीसिया के तहत फेफड़ों को गर्म सलाइन घोल से बार–बार धोया जाता है, जिससे जमा हुआ प्रोटीन बाहर निकल जाता है और मरीज की सांस लेने की क्षमता में बड़ा सुधार आता है। यह जीवनरक्षक प्रक्रिया पूरी तरह से टीमवर्क और विभिन्न विभागों के सहयोग से संभव हो सकी। प्रक्रिया को डॉ. अभिषेक टंडन और डॉ. विपुल प्रकाश ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिनका नेतृत्व रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन विभाग के निदेशक डॉ. दिलीप दुबे ने किया। इस जटिल प्रक्रिया में एनेस्थीसियोलॉजी टीम की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही, जिसमें डॉ. आशीष खन्ना और डॉ. निशांत चौधरी ने बाइलेटरल एयरवे मैनेजमेंट को कुशलता से संभाला। मेडिकल टीम ने फिजियोथेरेपिस्ट्स और ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियंस के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। उनकी सूक्ष्म तैयारी, तकनीकी सहयोग और ऑपरेशन के बाद की साँसों से जुड़ी देखभाल ने प्रक्रिया को सटीक ढंग से पूरा करने और मरीज की सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। इस सफलता के साथ मेदांता लखनऊ ने एक बार फिर यह साबित किया है कि जटिल और दुर्लभ बीमारियों के उपचार में समर्पित विशेषज्ञता और टीमवर्क से बेहतर परिणाम संभव हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा स्थित कार्यालय में विभागीय योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पिछड़े वर्गों के कल्याण तथा दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय योजनाओं को पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में मंत्री ने योजनाओं के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने, व्यापक प्रचार–प्रसार तथा नई योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संचालन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की अधिकांश योजनाएं 'फ्लैगशिप योजना' के अंतर्गत संचालित हैं, इसलिए इनमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा के दौरान पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुपालन, दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं के प्रचार–प्रसार, वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट एवं कार्ययोजना की स्थिति, विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति तथा विभागीय विद्यालयों में भर्ती एवं संविदा नियुक्तियों की समीक्षा की गई। साथ ही विभाग में प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण एवं लंबित मामलों की स्थिति पर भी चर्चा हुई।इसी प्रकार पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा में ट्रिपल सी एवं ओ–लेवल संगणक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति, प्रशिक्षार्थियों के बैंक खातों में शुल्क प्रतिपूर्ति, शादी अनुदान योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं भुगतान की जनपदवार स्थिति तथा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की प्रगति की जानकारी मंत्री को दी गई।बैठक में डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को निर्देश दिए कि दिव्यांग छात्र–छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया जाए ।

रामनगरी में तापमान 41 पार,श्रद्धालुओं सहित आम जन जीवन रहा अस्त व्यस्त

अयोध्या। गुरुवार को शहर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहा।जिसके चलते आम जनमानस का जीवन अस्त–व्यस्त रहा।तेज धूप तथा भीषण गर्मी के चलते राम पथ पर सन्नाटा फसा हुआ था।इस मार्ग पर जहां हमेशा सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं तथा अन्य लोगों की भारी संख्या में भीड़ रहती थी लेकिन गुरुवार को सुबह से गर्मी के चलते सन्नाटा रहा। तेज धूप तथा गर्मी के चलते कई लोग तो अपने घरों से निकलना भी मुनासिब नहीं समझे और जो लोग बाहर निकले हुए थे वे धूप से बचने के लिए अपने शरीर को पूरी तरह ढके हुए दिखाई दिए।इस प्रचंड धूप तथा गर्मी मे सबसे अधिक परेशानी राम मंदिर दर्शन पूजन करने दूर–दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को तो हो रही थी। बताते चले राम पथ पर लोगों को धूप से बचने के लिए छांव की व्यवस्था नहीं की गई है जिसके चलते इधर से आने–जाने वाले श्रद्धालु इस प्रचंड गर्मी में काफी परेशान होते दिखाई दिए।तेज धूप व भीषण गर्मी के चलते राम मंदिर के अंदर परिसर में श्रद्धालु नंगे पांव भागते भागते दर्शन भी करते हुए दिखाई दे रहे थे।यह नजारा सिर्फ राम मंदिर परिसर का ही नहीं रहा बल्कि कनक भवन, नागेश्वर नाथ, हनुमानगढ़ी,राम की पैड़ी सहित अन्य प्रमुख मंदिरों का भी रहा जहां पर तेज धूप के चलते जमीन काफी गर्म थी और जिस पर नंगे पैर चलना काफी कष्टकारी दिखाई दिया।वहीं कई श्रद्धालु हुआ अन्य लोग गर्मी से निजात पाने के लिए सरयू नदी तथा राम की पैड़ी पर भी स्नान करते हुए दिखाई दिए।

मोहबरा ठेका नहीं, टाइम मशीन है,यहां शराब नहीं, इतिहास

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या इन दिनों एक ऐसे मामले को लेकर सुर्खियों में है, जिसने न सिर्फ शराब प्रेमियों को हैरान कर दिया है बल्कि आबकारी विभाग और स्थानीय व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।मामला मोहबरा स्थित अंग्रेजी शराब ठेके से जुड़ा है, जहां कथित तौर पर एक्सपायर बीयर बेचे जाने का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।लोग अब खुलेआम सवाल पूछ रहे हैं क्या शराब के नाम पर लोगों को नशा दिया जा रहा है या बीमारी?जी हाँ पूरा मामला रायगंज निवासी मदन गोपाल और उनके दोस्तों हिमांशु व आदित्य से जुड़ा हुआ है। बताया जाता है कि तीनों दोस्त रोजमर्रा की भागदौड़ और तनाव से थोड़ा राहत पाने के लिए शाम को बाहर निकले थे। प्लान बिल्कुल साधारण था, ठंडी बीयर, दोस्तों की महफिल और कुछ हंसी–मजाक।लेकिन उन्हें क्या पता था कि यह शाम उनकी जिंदगी की सबसे अजीब और डरावनी शामों में बदल जाएगी।तीनों दोस्त पूरे भरोसे के साथ मोहबरा स्थित अंग्रेजी शराब ठेके पर पहुंचे।वहां से उन्होंने एक ब्रांड की शराब खरीदी और भुगतान भी किया पूरे आधुनिक अंदाज में यूपीआई से किया गया।ठेके पर मौजूद कर्मचारियों ने बिना किसी हिचकिचाहट के बीयर थमा दी।उस समय किसी को अंदाजा नहीं था कि वे बीयर नहीं, बल्कि "एक्सपायरी का टाइम बम" लेकर घर जा रहे हैं।घर पहुंचने के बाद जैसे ही कैन पर नजर गई, तीनों दोस्तों के होश उड़ गए।कैन पर साफ–साफ पैकिंग डेट 18 अगस्त 2025 और एक्सपायरी डेट 17 मई 2026 दर्ज थी।यानी बीयर अपनी समय सीमा पार कर चुकी थी और उसके बावजूद ग्राहकों को खुलेआम बेची जा रही थी। बताया जाता है कि कुछ मिनटों तक कमरे में ऐसा सन्नाटा पसरा रहा जैसे कोई बड़ा हादसा होते–होते टल गया हो, दोस्तों को समझ नहीं आया कि हंसे, गुस्सा करें या सीधे डॉक्टर के पास जाकर पूछें कि अगर यह बीयर पी ली जाती तो आखिर क्या होता।तीनों दोस्तों का आरोप है कि अगर उन्होंने कैन की डेट ध्यान से न देखी होती, तो मामला गंभीर हो सकता था। उनका कहना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोगों की सेहत के साथ सीधा खिलवाड़ है।मामला सामने आते ही मोहबरा इलाके में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया।सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों और चौराहों तक लोग इसी घटना की चर्चा करते नजर आए।और स्थानीय लोग तरह तरह की बाते भी कर रहे है, कि मोहबरा ठेका नहीं, टाइम मशीन है,यहां शराब नहीं, इतिहास बिकता है।अगर बीयर पी ली जाती, तो डॉक्टर इलाज कम और रिसर्च ज्यादा करते।एक बुजुर्ग ने व्यंग्य करते हुए कहा लगता है कि ठेके पर नया ऑफर चल रहा है पुरानी शराब और नई बीमारी! लेकिन मामला सिर्फ एक्सपायर बीयर तक सीमित नहीं है।स्थानीय लोगों ने अब ठेके पर और भी गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं।इलाके के लोगों का दावा है कि रात में दुकानें बंद होने के बाद कथित तौर पर शराब ब्लैक में बेची जाती है।आरोप है कि निर्धारित समय के बाद ग्राहकों से मनमाने दाम वसूले जाते हैं और कई बार डत्ब से दोगुना तक पैसा लिया जाता है।सबसे चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है कि ठेके के बिल्कुल पास पुलिस चौकी और पुलिस चेक पोस्ट मौजूद है। इसके बावजूद अगर कथित तौर पर ब्लैक में शराब बिक रही है, तो आखिर जिम्मेदारी कौन लेगा?स्थानीय लोग सवाल भी उठा रहे हैं कृ"क्या यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी के बिना संभव है?"लोगों का कहना है कि अगर पुलिस चौकी और चेक पोस्ट के आसपास भी इस तरह का खेल चल रहा है, तो आम जनता आखिर किस पर भरोसा करे?स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शराब की दुकानों पर अधिकांश ग्राहक बिना एक्सपायरी डेट देखे सामान खरीद लेते हैं।ऐसे में अगर एक्सपायर बीयर और पुराना स्टॉक ग्राहकों को बेचा जा रहा है, तो यह बेहद गंभीर मामला है।लोगों ने मांग की है कि जिले के सभी शराब ठेकों पर अभियान चलाकर स्टॉक की जांच कराई जाए और एक्सपायर शराब बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई हो, और दुकान बंद होने बाद ब्लैक मे उतच से भी ज्यादा वसूली होती है उन लोगो पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाय।लोगों का कहना है कि अगर एक ग्राहक की नजर पड़ने से यह मामला सामने आया है, तो सोचने वाली बात यह है कि कितने लोग बिना डेट देखे ऐसी शराब पी चुके होंगे।सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर एक्सपायर स्टॉक ठेके तक पहुंचा कैसे? क्या सप्लाई में गड़बड़ी है?क्या पुराने स्टॉक को जानबूझकर खपाया जा रहा है? या फिर जांच व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह गई है?मदन गोपाल ने पूरे मामले को गंभीर मानते हुए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है और आबकारी विभाग से जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है और अब लोगों की निगाहें प्रशासन और आबकारी विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।इलाके के लोग अब यह पूछ रहे हैं "क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी या सिर्फ औपचारिक जांच कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?"फिलहाल रामनगरी अयोध्या में इस पूरे मामले के बाद एक ही चर्चा सबसे ज्यादा सुनाई दे रही है।"मोहबरा ठेके पर शराब खरीदने से पहले बोतल नहीं३ उसकी तारीख जरूर देखिए, वरना पार्टी सीधे अस्पताल की OPD में बदल सकती है!

काजल निषाद समेत 6 नेता हाउस अरेस्ट, रात में घर पहुंची पुलिस–सपा बोली– तानाशाही

गोरखपुर, (संवाददाता)। गीडा क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण, गिरते जलस्तर और स्थानीय समस्याओं को लेकर बुधवार को प्रस्तावित समाजवादी पार्टी के धरना–प्रदर्शन से पहले जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए पार्टी के कई नेताओं को हाउस अरेस्ट कर दिया। मंगलवार देर रात अलग–अलग थानों की पुलिस संबंधित नेताओं के आवास पहुंची और उन्हें घर से बाहर निकलने से रोक दिया। हाउस अरेस्ट किए गए नेताओं में काजल निषाद, पूर्व जिलाध्यक्ष नगीना साहनी, पूर्व विधायक यशपाल रावत, जिला महासचिव रामनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष गीरीश यादव और सहजनवा विधानसभा अध्यक्ष मनीष कमांडो शामिल हैं। सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम को भी पुलिस ने रोका था, लेकिन लखनऊ कार्यक्रम में शामिल होने की जानकारी देने पर उन्हें छोड़ दिया गया। अन्य नेताओं को देर शाम तक छोड़े जाने की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि समाजवादी पार्टी ने सहजनवा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और गीडा क्षेत्र में फैक्ट्रियों से फैल रहे प्रदूषण के विरोध में बुधवार को धरना–प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने की घोषणा की थी। पार्टी नेताओं ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी। इसे देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात नेताओं को हाउस अरेस्ट करने का निर्देश जारी किया। रामगढ़ताल थाने की महिला पुलिस देर रात काजल निषाद के आवास पहुंची और उन्हें घर में ही रोक दिया। वहीं सहजनवा और गीडा थाना पुलिस ने यशपाल रावत, रामनाथ यादव, गीरीश यादव और मनीष कमांडो समेत अन्य नेताओं को उनके घरों से बाहर नहीं निकलने दिया। सपा नेताओं का कहना है कि गीडा क्षेत्र की फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं और राख से आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा गिरते जलस्तर, फैक्ट्रियों में मजदूरों से आठ घंटे के बजाय 12 घंटे तक काम कराने और किसानों की जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने जैसे मुद्दों को लेकर प्रदर्शन प्रस्तावित था। जिला महासचिव रामनाथ यादव ने कहा कि धरना–प्रदर्शन की सूचना पहले ही प्रशासन को दे दी गई थी।

भीषण गर्मी व तेज धूप के चलते हीट स्ट्रोक की संभावना बढी

अयोध्या। इस समय हीट स्ट्रोक की संभावनाएं बढ़ी हुई है।हीट स्ट्रोक से बचने के लिए सीएमओ डॉ देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने लोगों से अपील किया है कि इस दौरान भीषण गर्मी तथा धूप में लोग कोशिश यही करें कि कम से कम अपने घरों से निकले।अगर घर से निकलना बहुत जरूरी है तो लोग अपने शरीर को पूरे तरीके से ढक कर छाता, टोपी गमछे काले चश्मो का प्रयोग करें जिससे वे भिसार गर्मी और तेज धूप से बचें।बताया कि लोगो को लू तभी लगती है।जब शराब की लत हृदय रोग पुरानी बीमारियों मोटापा, पार्किंसंस रोग अधिक उम्र अनियंत्रित मधुमेह हो।बताया कि हीट स्ट्रोक के कुछ लक्षण भी दिखाई देते है।जिसमे खासकर गर्म लाल शुष्क त्वचा का होना,पसीना न आना, तेज पल्स होना,उथले श्वास गति में तेजी,व्यवहार में परिवर्तन,भ्रम की स्थिति,सिरदर्द, मितली, थकान और कमजोरी होना चक्कर आना,मूत्र न होना अथवा इसमें कमी मुख्य लक्षण है।जिसके चलते उच्च तापमान से शरीर के आंतरिक अंगों विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है तथा शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न करता हैं। मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न होता हैं।जो लोग एक या दो घण्टे से अधिक समय तक 40.6 डिग्री सेल्सियस 105 डिग्री एफ या अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते है तों उनके मस्तिष्क

में क्षति होने की संभावना प्रबल हो जाती है।हीट वेव की स्थिति शरीर की कार्य प्रणाली पर प्रभाव डालती है, जिससे मृत्यु भी हो सकती है।बताया कि हीट वेव ६ लू से बचने के लिए प्रचार माध्यमों पर हीट वेवध्लू की चेतावनी पर ध्यान दें।अधिक से अधिक पानी पियें, यदि प्यास न लगी हो तब भी हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें।धूप के चश्मे, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें।अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरो को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलाये तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें।यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ ले जाए।ओ0आर0एस0, घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके।हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट कैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सिरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें।यदि मूर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें।अपने घरों को ठंडा रखें, पर्दे दरवाजे आदि का उपयोग करें। तथा शामध्रात के समय घर तथा कमरों को ठंडा करने हेतु इसे खोल दें।पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार स्नान करें।कार्यस्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखेंध्उपलब्ध करायें।कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें।श्रमसाध्य कार्यों को ठंडे समय में करनेध्कराने का प्रयास करें।घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढ़ायें। गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए।उन्होंने लू से बचाव हेतु कुछ सावधानियां भी बरतने को कहा है। कहा है कि पालतू जानवरों एवं बच्चों को कभी भी बन्दध्खड़ी गाडियों में अकेला न छोंडे।दोपहर 12 से 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिये जहां तक संभव हो घर के निचली मंजिल पर रहें।गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़ें न पहनें।जब बाहर का तापमान अधिक हो तब श्रमसाध्य कार्य न करें।अधिक प्रोटीन तथा बासी एवं संक्रमित खाद्य एवं पेय पदार्थों का प्रयोग न करें। अल्कोहल, चाय, व कॉफी पीने से परहेज करें।

तीन माह से वेतन न मिलने पर जिला चिकित्सालय के संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिला चिकित्सालय अयोध्या में कार्यरत संविदा डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने तीन माह से वेतन न मिलने के विरोध में अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया। इमरजेंसी के सामने एकत्र होकर डॉक्टर सहित संविदा कर्मियों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और जल्द भुगतान की मांग उठाई।प्रदर्शन कर रहे संविदा कर्मियों व डॉक्टरों का कहना है

लगातार तीन महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। परिवार का भरण–पोषण करना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि रोजमर्रा के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों को पूरा करना चुनौती बन गया है।संविदा डॉक्टरों ने कहा कि वे लगातार मरीजों की सेवा में लगे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय से वेतन नहीं मिल पा रहा है। कई बार संबंधित अधिकारियों को पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया, मगर अब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। इससे कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है।संविदा कर्मी संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र वेतन भुगतान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अनवरत धरना–प्रदर्शन शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग से जल्द समाधान निकालने की मांग की।

गोरखपुर के पेट्रोल पंप ड्राई, गैस एजेंसी पर भी भीड़ डीएसओ बोले- संयम रखें

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिले में मंगलवार को पेट्रोल की तुलना में डीजल की मांग अधिक देखने को मिली, जिसके चलते शहर के कई पेट्रोल पंपों पर डीजल का स्टॉक समय से पहले ही समाप्त हो गया। शाम तक कुछ स्थानों पर पेट्रोल और डीजल दोनों की उपलब्धता प्रभावित हो गई, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। रेल म्यूजियम के पास पंप पर बसों की कतार लग गई। पुलिस की मौजूदगी में लाइन लगवाकर तेल वितरण किया गया। सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई पेट्रोल पंपों पर लोग गैलन लेकर डीजल लेने पहुंचे थे। खासकर डीजल भरवाने के लिए बस, ट्रक और अन्य व्यावसायिक वाहनों की संख्या अधिक रही। लगातार बढ़ती भीड़ के कारण कई पंपों पर कुछ ही घंटों में डीजल खत्म हो गया, जबकि देर शाम तक पेट्रोल की भी कमी देखने को मिली। रेल म्यूजियम के पास स्थित पेट्रोल पंप पर स्थिति अधिक गंभीर रही, जहां रोडवेज और निजी बसों की लंबी कतार लग गई। सड़क पर यातायात प्रभावित होने लगा तो पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को लाइन में लगवाया और यातायात व्यवस्था नियंत्रित कराई। शहर के टाउन हॉल पर ज्यादा भीड़ रही। बेतियाहाता स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल की उपलब्धता के कारण चार पहिया वाहनों की लंबी कतार लग गई। शहर में कई पंपों पर दोपहर बाद डीजल समाप्त हो गया। शाम होते ही ज्यादातर पेट्रोल पंप पर तेल समाप्त हो गया। वाहन चालकों का कहना था कि लंबे इंतजार के बाद भी कई जगह ईंधन नहीं मिल पाया। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मांग अचानक बढ़ने के कारण आपूर्ति पर दबाव बना है। प्रशासन की ओर से लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बनाए रखने की अपील की गई है। शहर में घरेलू गैस सिलिंडर लेने के लिए भी मंगलवार को एजेंसियों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही उपभोक्ता गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों पर पहुंचने लगे, जिससे कई स्थानों पर कतारें लग गईं। उपभोक्ताओं ने समय से ही सिलिंडर बुक करा कर उसकी पर्ची निकलने के बाद गैस एजेंसियों का रुख किया। कई लोग बुकिंग के बाद घर पर गैस सिलिंडर पहुंचने का इंतजार भी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस समय लगभग तीन दिनों का बैकलॉग चल रहा है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में मंगलवार को उपभोक्ताओं की संख्या काफी अधिक रही।

साइबर क्राइम टीम ने पीड़ित को लौटाया 120000– रुपये

अयोध्या। थाना साइबर क्राइम टीम ने एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायत जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा ध्ोखे से आवेदक से ओटीपी पूछकर साइबर ठगी कर लेने की बात कही गई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 05 दिन के अन्दर धनराशि होल्डध्लीन कराते हुए तथा सम्बन्धित मार्चेन्ट से वार्ता के क्रम में 120000– रुपये की धनराशि को वापस कराया गया।पीड़ित को धन वापस करने वाले साइबर टीम में मोहम्मद अरसद प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम,हे0का0 राजकुमार गौड़ थाना साइबर क्राइम,का0 अतुल कुमार यादव थाना साइबर क्राइम, म0का0 मनीषा मौर्या थाना साइबर क्राइम शामिल रहे।

बिजली संकट से बिलबिलाई जनता सड़क पर उतरी लगाया जाम, प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। भीषण गर्मी के बीच गहराते बिजली संकट से बेहाल जनता अब सड़क पर उतरने लगी है। फैजुल्लागंज में सोमवार देर रात पांच घंटे तक बिजली न आने से नाराज उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र पर पहुंचकर हंगामा–प्रदर्शन किया। अधिशासी अभियंता और कर्मचारियों से अभद्रता की। उधर, राजाजीपुरम के पाल तिराहा उपकेंद्र से जुड़े इलाके में बिजली गुल होने के विरोध में लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। फैजुल्लागंज में अन्ना मार्केट के पास की कॉलोनियों के करीब 15 हजार उपभोक्ता सोमवार को ट्रिपिंग और लो वोल्टेज से परेशान रहे। मेहंदी लॉन के पास 400 केवीए ट्रांसफॉर्मर और एमडी लॉन क्षेत्र में 250–250 केवीए के दो ट्रांसफॉर्मरों के फ्यूज बार–बार उड़ते रहे। ओवरलोडिंग से ककौली का फीडर भी लगातार ट्रिप करता रहा, जिससे आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई। इससे नाराज लोगों ने उपकेंद्र पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। अधिशासी अभियंता पंकज गुप्ता ने बताया गर्म कि प्रदर्शनकारी जबरन कर्मियों को फ्यूज बांधने के लिए पकड़कर ले गए, जिससे काम में व्यवधान पड़ा। कर्मियों से अभद्रता भी की, जबकि तीन रात उपकेंद्र पर रुककर समस्याओं का निदान करा रहे हैं। उधर, जानकीपुरम जोन में भी हालात खराब रहे। ओवरलोड के कारण एबीसी केबल जलने से जीपीआरए उपकेंद्र से जुड़ी आपूर्ति करीब चार घंटे तक ठप रही। सेक्टर–6, 4 और 5, जानकीपुरम विस्तार तथा सरस्वतीपुरम में ए उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के फैजुल्लागंज समेत कई इलाकों में तीन दिन से बरकरार बिजली संकट पर विधायक डॉ. नीरज बोरा भड़क गए और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखा। अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार और अधिशासी अभियंता पंकज गुप्ता को तलब कर नाराजगी जताई और आपूर्ति दुरुस्त करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि इस भीषण गर्मी में आम जनता को अव्यवस्था का सामना करना पड रहा है। उन्होंने बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए। बिजली चोरी के मामलों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए। इलाके के पाल तिराहा उपकेंद्र से जुड़े 1500 घरों की बिजली सोमवार रात 12 घंटे तक गुल रही। इससे गुस्साए लोगों ने रात 12 से 2रू30 बजे तक प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दी। हालांकि, विरोध–प्रदर्शन के बाद भी बिजली मंगलवार सुबह 11:30 बजे आई। इस कारण लोग सुबह पानी के लिए भी तरस गए। उपभोक्ताओं ने बताया कि सरीपुरा, कनक सिटी, काला पहाड़ और कैम्पवेल रोड के एक्जान स्कूल के आसपास के करीब 1500 घरों की बिजली रात 11 बजे अचानक ठप हो गई। काफी देर बाद भी बिजली नहीं आई तो उपभोक्ता उपकेंद्र पहुंच गए और हंगामा किया। बवाल बढ़ता देख कर्मचारी उपकेंद्र छोड़कर भाग निकले। इसके बाद लोगों ने मोहान रोड जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बिजली विभाग के अफसरों को फोन किया, पर किसी ने फोन नहीं उठाया।

'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत 22 जून तक जिले में निषेधाज्ञा लागू'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी अनुनय झा ने अवगत कराया है कि 21 मई 2026 को लेखपाल मुख्य परीक्षा, 31 मई को बीएड प्रवेश परीक्षा, 27 को बकरीद, 8, 9 व 10 जून पुलिस आरक्षी भर्ती की लिखित परीक्षा, 21 जून को नीट यूजी परीक्षा तथा 21 जून 2026 को मुस्लिम सम्प्रदाय का मोर्हरम त्यौहार में 10 दिनों तक जुलूस आदि निकाले जाते है, इसलिए परीक्षाओं एवं त्यौहार को सकुशल एवं शान्ति पूर्ण सम्पन्न कराने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु जनपद की सीमा के अन्तर्गत तत्काल प्रभाव से 22 जून 2026 तक के लिए धारा–163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत निषेधाज्ञा लागू किया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा है कि निषेधाज्ञा लागू होने के दौरान किसी सार्वजनिक स्थान पर चार से अधिक लोग जमा नहीं होगें, बिना अनुमति जूलूस, जनसभा आदि नहीं की जायेगी तथा लाउड स्पीकर आदि नहीं बजेगें, कोई व्यक्ति लाठी, डंडा, बन्दूक, पिस्तौल, विस्फोटक पदार्थ एवं धारदार हथियार लेकर नहीं चलेगा, कोई भी अपनी भवन की छत पर ईट, पत्थर आदि नहीं जमा करेगा तथा रेल, बस, विद्युत पोल व तार एवं टेलीफोन लाइन आदि सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुचायेगें और किसी धर्म, सम्प्रादाय विशेष के संबंध में अमर्यादित भाषा को प्रयोग नहीं किया जायेगा तथा अश्लीलता, अभद्रता व आपतिजनक व्यवहार नहीं करेगा। उन्होने कहा है निषेधाज्ञा का पालन न करने वालों के विरूद्व धारा 50 से 60 भारतीय न्याय संहिता की धारा–223 के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जायेगी।

मरीज की मौत पर परिजनों का आरोप– नहीं दी ऑक्सीजन, अस्पताल बोला, की तोड़फोड़

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स के सर्जिकल आईसीयू में मंगलवार तड़के कुशीनगर निवासी 45 वर्षीय रवि यादव की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल पर ऑक्सीजन न देने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। एम्स प्रशासन ने परिजनों पर तोड़फोड़ व मारपीट क जानकारी के अनुसार, कुशीनगर निवासी रवि यादव अल्कोहलिक पैंक्रियाटाइटिस और रीनल फेल्योर से पीड़ित थे। दोनों किडनियां खराब होने के कारण वह डायलिसिस पर थे और गंभीर स्थिति में सर्जिकल आईसीयू में भर्ती थे। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही करीब चार से पांच महिला तीमारदार आईसीयू में पहुंचीं और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग ऑफिसर और स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट की गई। स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया, जिसमें शीशे के पैनल और एंट्री गेट का कांच टूट गया। करीब आधे घंटे बाद मृतक का भाई भी मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों से उलझ गया। ड्यूटी डॉक्टर के समझाने के बावजूद वह नहीं माना और सर्जिकल आईसीयू के एंट्री गेट का कांच तोड़ दिया। हालात बिगड़ने पर कोड वायलेट घोषित कर सुरक्षा कर्मियों और नर्सिंग स्टाफ को मौके पर बुलाया गया। इस दौरान पुलिस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। बाद में एम्स प्रशासन ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।